चंद्रमा के दूत

(कहानी)

13

जंगल में एक *सरोवर* के किनारे बहुत से खरगोश रहते थे। उन खरगोशों का एक *सरदार* भी था। वह सभी खरगोशों का बहुत ध्यान रखता था। सभी खरगोश दिन-भर इधर-उधर कूदते और रात को अपने बिलों में सो जाते।

एक बार तेज गरमी पड़ रही थी। पानी की *तलाश* में हाथियों का एक दल उधर आ गया, जहाँ खरगोश रहते थे। हाथियों के आ जाने से खरगोश बहुत दुःखी थे। क्योंकि हाथी अपनी सूँड में कभी पानी भर-भरकर फेंकते तो, कभी खरगोशों को अपने पैरों के नीचे कुचल देते। यह सब देखकर सभी खरगोश दाँत पीसकर रह गए। अब खरगोशों का सरदार बहुत *चिंतित* हुआ। सारे खरगोश *परेशान* हो गए। उन्हें हाथियों पर बहुत *क्रोध* आया। खरगोशों के सरदार ने तुरंत पीपल के *विशाल* वृक्ष के नीचे सभा की। सभी ने निश्चय किया कि हाथियों को इस जंगल से भगाना है।

खरगोशों के सरदार ने कहा– "भाइयों! मुझे एक तरकीब सूझी है।"

"क्या, कौन-सी तरकीब? बताइए।" –सभी खरगोशों ने अपने मुरझाए चेहरों को उठाकर पूछा।

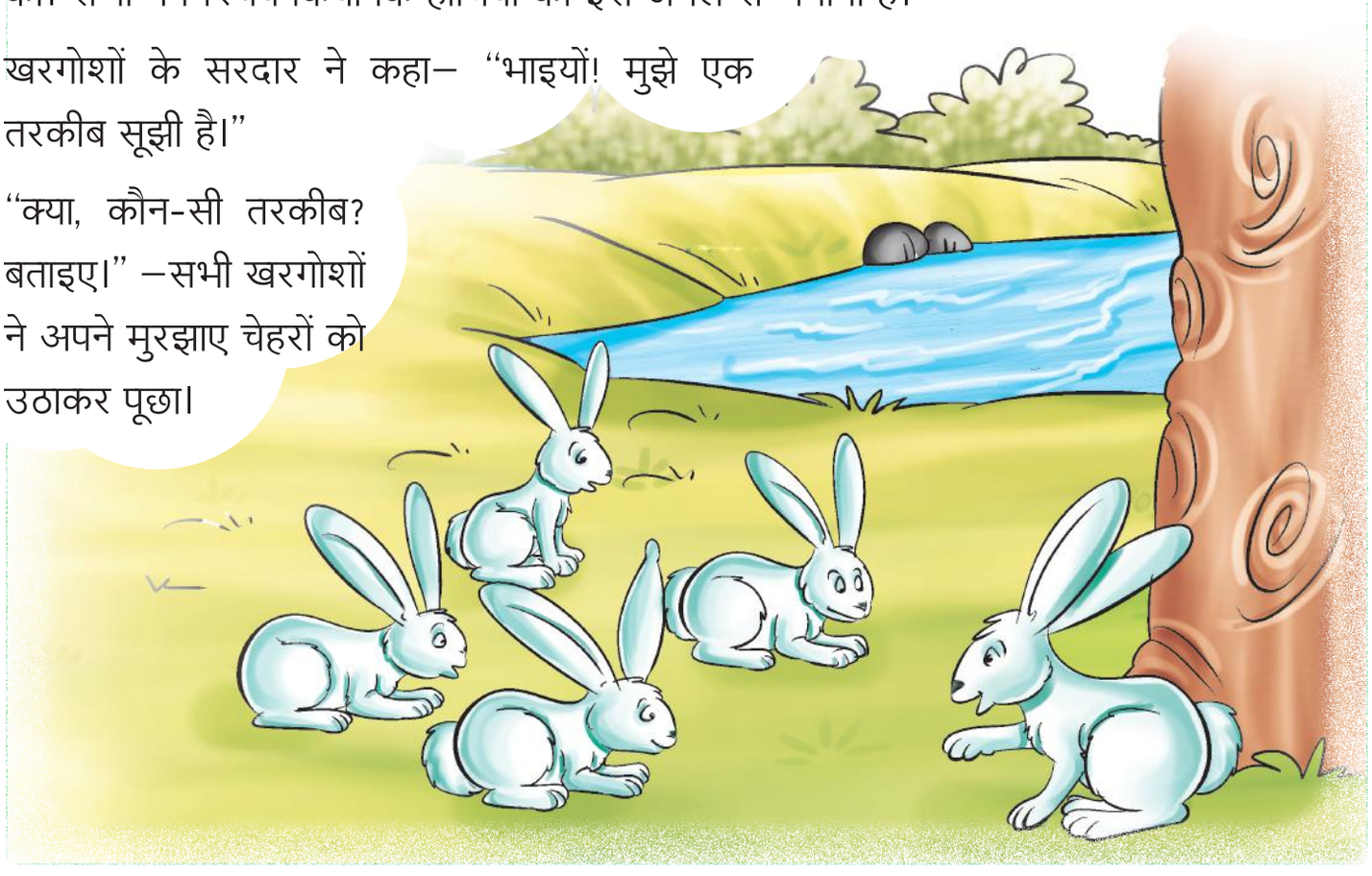

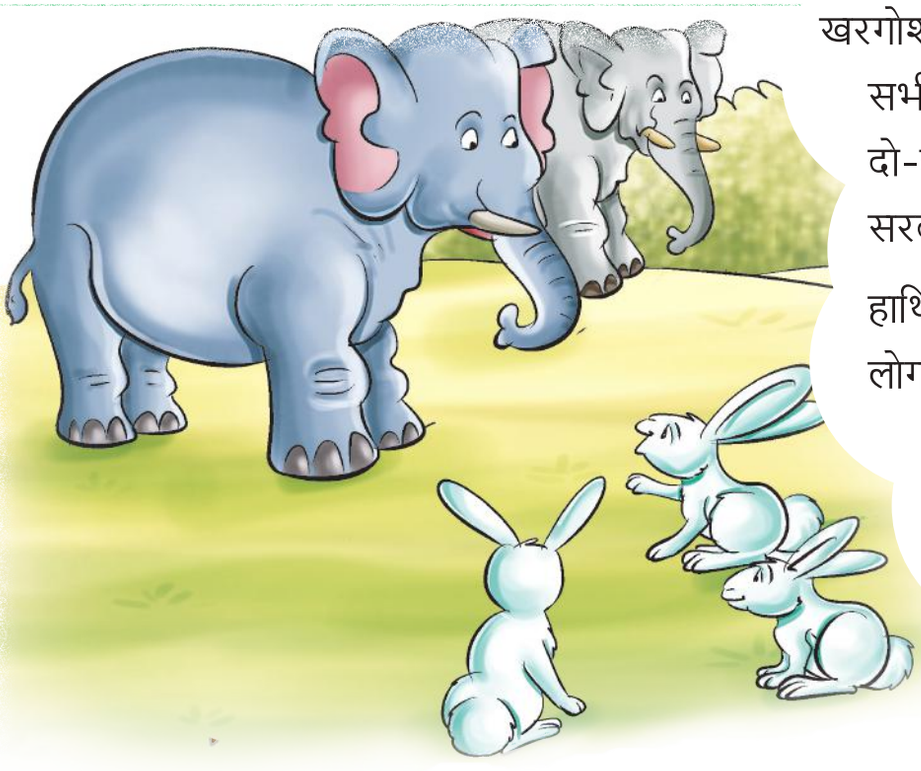

खरगोशों के सरदार ने अपनी *तरकीब* सभी को बता दी। जब रात हुई तो वह दो-तीन खरगोशों के साथ हाथियों के सरदार के पास पहुँचा।

हाथियों के सरदार ने पूछा– "तुम लोग कौन हो और यहाँ क्यों आए हो?"

खरगोशों के सरदार ने कहा– "हम चंद्रमा के दूत हैं। वे आपसे बहुत नाराज हैं।"

हाथियों का सरदार बोला– "पर हमने उनका क्या बिगाड़ा है?"

खरगोशों का सरदार बोला– "यह सरोवर चंद्रमा का है और आपने उनका सरोवर गंदा कर दिया है। उन्होंने कहा है कि आप लोग अपने दल के साथ यहाँ से *शीघ्र* ही चले जाएँ, वरना वे आपके दल का *सर्वनाश* कर देंगे।"

खरगोशों के सरदार की बात सुनकर हाथियों का सरदार *भयभीत* हो गया। वह बोला– "क्या तुम लोग सच कह रहे हो?"

"हाँ-हाँ, हम लोग सच कह रहे हैं। चाहो तो सरोवर पर चलकर देख लो।"– उनमें से एक खरगोश ने कहा।

हाथियों का सरदार डरते-डरते बोला– "हम सरोवर पर चलकर चंद्रमा से क्षमा माँगना चाहते हैं।"

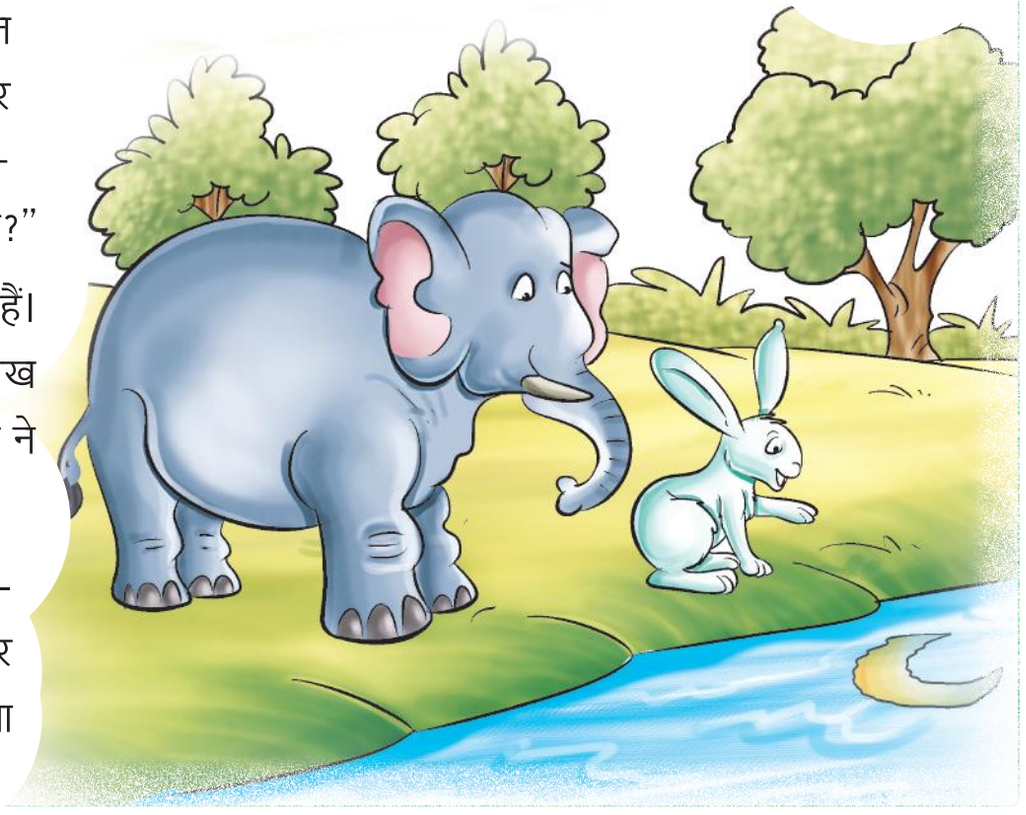

खरगोशों का सरदार मन-ही-मन मुसकुराता हुआ बोला– "चलिए महाराज, हम आपको सरोवर पर ले चलते हैं।"

काफी रात हो गई थी। ठंडी-ठंडी हवा चल रही थी। *सरोवर* की लहरें ऊपर-नीचे हो रही थीं। तभी हाथी और खरगोश वहाँ पहुँच गए। सरोवर के जल में चंद्रमा की *परछाई* देखकर खरगोशों के सरदार ने कहा– "देखिए महाराज, चंद्रमा क्रोध से काँप रहे हैं। आप शीघ्र ही यहाँ से दूर चले जाइए।"

हाथियों के सरदार ने दूसरे हाथियों की ओर देखा। सभी डर रहे थे। सरदार ने चंद्रमा से सूँड उठाकर क्षमा माँगते हुए कहा– "हम अपनी गलती स्वीकार करते हैं। अब से हम कभी किसी को तंग नहीं करेंगे।" फिर सभी हाथी उसी *क्षण* जंगल से चले गए।

शब्द-अर्थ

सरोवर – तालाब *(pond)*,
तलाश – खोज *(search)*,
कुचलना – दबाना *(to crush)*,
परेशान – दुःखी *(sad)*,
विशाल – बहुत बड़ा *(huge)*,
शीघ्र – जल्दी *(quickly)*,
भयभीत – डरा हुआ *(frightened)*,
परछाई – छाया *(shadow)*।
सरदार – मुखिया *(chief)*,
दुःखी – उदास *(sad)*,
चिंतित – परेशान *(worried)*,
क्रोध – गुस्सा *(anger)*,
तरकीब – उपाय *(idea)*,
सर्वनाश – सब कुछ खत्म होना *(destroyed)*,
क्षण – उसी समय *(immediately)*,

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

सरोवर	खरगोश	चिंतित	वृक्ष	क्रोध
शीघ्र	सर्वनाश	भयभीत	चंद्रमा	परछाई

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) खरगोश कहाँ रहते थे?

(ख) खरगोशों का सरदार हाथियों के सरदार को कहाँ ले गया?

(ग) हाथियों ने सरोवर के जल में किसकी परछाई देखी?

(घ) सभी खरगोश दिन-भर क्या करते थे?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) खरगोशों के सरदार ने कौन-से वृक्ष के नीचे सभा की?

☐ नीम ☐ बरगद ☐ पीपल

(ख) हाथियों का दल किसकी तलाश में आया?

☐ पानी ☐ खरगोश ☐ चंद्रमा

(ग) हाथियों के सरदार ने किससे क्षमा माँगी?

☐ चंद्रमा से ☐ खरगोशों के सरदार से ☐ सरोवर से

2. वाक्यों को पूरा कीजिए–

सरोवर, हाथियों, गरमी, सरोवर, खरगोशों

(क) जंगल में एक ..... के किनारे बहुत से खरगोश रहते थे।

(ख) एक बार तेज ..... पड़ रही थी।

(ग) ..... के आ जाने से खरगोश बहुत दुखी थे।

(घ) ..... के सरदार ने अपनी तरकीब सभी को बता दी।

(ङ) हाथियों का सरदार ..... पर चलकर चंद्रमा से क्षमा माँगना चाहता था।

3. शब्दों को उनके अर्थ से मिलाइए–

(क)	परछाई	(i)	जल्द
(ख)	चिंतित	(ii)	मुखिया
(ग)	दुःखी	(iii)	परेशान
(घ)	शीघ्र	(iv)	उदास
(ङ)	सरदार	(v)	खोज
(च)	तलाश	(vi)	छाया

4. सही वाक्यों के सामने (✓) तथा गलत के सामने (✗) का निशान लगाइए–

(क) पानी की तलाश में शेरों का एक दल उधर आ गया। ☐

(ख) खरगोशों के सरदार ने अपनी तरकीब सभी को बता दी। ☐

(ग) खरगोश वास्तव में चंद्रमा के दूत थे। ☐

(घ) हाथियों ने अपनी गलती नहीं मानी। ☐

(ङ) अंततः सभी हाथी उस जंगल को छोड़कर चले गए। ☐

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) खरगोशों का सरदार क्या देखकर दुःखी हुआ?

(ख) खरगोशों के सरदार को क्या तरकीब सूझी?

(ग) हाथियों का सरदार भयभीत क्यों हो गया था?

(घ) हाथियों के सरदार ने चंद्रमा से क्षमा माँगते हुए क्या कहा?

भाषा-ज्ञान

1. शब्दों के समूह में से दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

(क) रात – ....

(ख) पेड़ – ....

(ग) जंगल – ....

(घ) पानी – ....

(ङ) चंद्रमा – ....

(च) सरोवर – ....

2. नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

(क) रात – ..... (ख) दूर – .....

(ग) दुखी – ..... (घ) गंदा – .....

(ङ) नाराज – ..... (च) शीघ्र – .....

(छ) स्वीकार – ..... (ज) गरमी – .....

3. 'दाँत' शब्द के प्रयोग से बने मुहावरों के अर्थ समझिए–

दाँत पीसना – गुस्सा होना

दाँत खट्टे करना – बुरी तरह हराना

दाँतों तले अंगुली दबाना – हैरान होना

दाँत काटी रोटी होना – गहरी मित्रता होना

मुहावरा अपना शाब्दिक अर्थ न देकर विशेष अर्थ देता है।

- अब इन मुहावरों की सहायता से वाक्य पूरे कीजिए–

(क) ताजमहल देखकर विदेशी ..... लेते हैं।

(ख) भारतीय सैनिकों ने शत्रु सेना के ..... ।

(ग) अपनी नई घड़ी टूट जाने पर पिताजी ..... ।

(घ) अमन और निखिल की आपस में ..... ।

*एक ही शब्द का जब दो बार प्रयोग किया जाए, उसे **शब्द-युग्म** कहते हैं।*

4. पढ़िए, समझिए और लिखिए–

ठंडी-ठंडी — .....

थोड़ी-थोड़ी — .....

धीरे-धीरे — .....

जल्दी-जल्दी — .....

क्रियात्मक गतिविधि

- खरगोश की बुद्धिमान की कोई दूसरी कहानी कक्षा में सुनाइए।
- क्या पशु-पक्षी एक-दूसरे की भाषा समझ सकते हैं? कक्षा में चर्चा कीजिए।
- दिए गए जानवरों के चित्र देखकर उन पर एक कथा लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

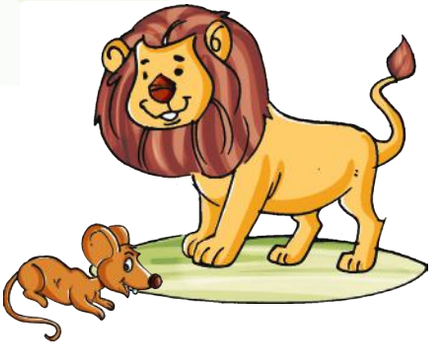

.....

.....

.....

.....